This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. .....

7341 A

M.A./II

SANSKRIT—Course 11

(Essay and Translation)

Time : 2 *Hours* *Maximum Marks* : 50

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फार्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

***सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

*Attempt **all** questions.*

1. किसी **एक** पर संस्कृत में निबन्ध लिखिए :

Write an essay on any ***one*** of the following in Sanskrit :

(i) वेदोऽखिलोधर्म मूलम्।

(ii) यन्न भारते तन्न भारते।

(iii) संस्कृतिः संस्कृताश्रिता।

(iv) वृत्ततस्तु हतो हतः।

[P.T.O.

(v) पुराणं पञ्चमो वेदः।

(vi) भारते भ्रष्टाचारः।

(viii) काव्यस्यात्मा ध्वनिः। 20

2. किसी **एक** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

Translate any ***one*** of the following into Sanskrit :

(i) एक बार एक राजा ने किसी लकड़हारे को पुरस्कार में एक चन्दन का वन दे दिया। कुछ वर्ष व्यतीत हो गये। राजा ने सोचा लकड़हारा बहुत धनी हो गया होगा, उससे मिला जाये। लकड़हारा रास्ते में ही मिल गया। राजा ने आश्चर्य से पूछा कि तुम अब भी इस हालत में हो? वह बोला, महाराज! मैंने कोयले बना-बना कर सभी पेड़ समाप्त कर दिये, अब दो ही बचे हैं, कुछ और दया करें। राजा ने देखा, वहाँ सचमुच दो ही पेड़ बचे थे। राजा ने कहा—अरे मूर्ख, तू एक ही पेड़ से धनी बन सकता था, यह क्या कर डाला? हम भी कहीं प्रकृति के साथ ऐसा ही तो नहीं कर रहे हैं।

Once upon a time a king rewarded a wood-cutter with a sandalwood forest. After a few years the king thought that the wood-cutter must have been pretty rich. He decided to meet him. By chance he found the wood-cutter on the way. The king asked him surprisingly, "Are you still in the same condition?" In reply the wood-cutter said, "Your Majesty, I have cut down all the trees and converted them into coal. I am now left with only two trees. I need some more help." The king found that there were really two

trees left. The king exclaimed, "O fool ! What have you done? You could have become rich by using even a single tree."

Are we not treating the nature in the same way.

(ii) एक बार एक मेढ़कों का राजा अपने बन्धु-जनों से दु:खी होकर उन्हें मरवाने के लिए साँप से दोस्ती कर उसे कुएँ में ले आया। उसने अपने मित्र साँप को समझाया कि मेरे बच्चों व पत्नी को मत खाना। समय बीतने पर मेढ़क के सभी बन्धु-जन समाप्त हो गये। साँप मेढ़क राजा के बच्चों को भी खाने लगा। उसकी पत्नी को भी खा लिया। साँप ने कहा—मैं अतिथि हूँ। मेरे खाने की व्यवस्था करो। मेढ़क बोला—बाहर मेरे और बन्धुजन हैं, उन्हें बुला कर लाता हूँ, मुझे बाहर जाने दो। वह किसी तरह बाहर निकल कर इधर-उधर घूम कर कुएँ के पास आकर देखने लगा। साँप ने अपने पास बुलाया, पर मेढ़क ने कहा—अन्धा बार-बार लाठी नहीं खोता, मैं पुन: कुएँ में नहीं आ सकता।

Once a frog-king got frustrated with his kith and kin. He made friendship with a snake and brought him into the well to kill them. He told him not to kill his wife and children. With the passage of time all the frogs were dead. The snake now ate king's wife and children also. The snake said to the king, "I am your guest, so arrange food for me." The frog said, "I have more relatives outside the well. Let me go there to bring them inside. He somehow

came outside and peeped into the well. The snake asked him to come in. But the frog said, "A blind man does not lose his stick again and again. I will not come into the well now." 10

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर अन्त में दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

Read the following passage and answer the questions given at the end :

कालेन हि स्व शक्त्या भावानां स्थगनोन्मज्जने आविर्भाव तिरोभाव रूपे जन्मनाशपर्याये कर्मणी विभजता सूत्रधारेणेव सूत्र सञ्चार वशेन यन्त्र पुरुषस्योन्मेष निमेषादि क्रियाकारिणा प्राप्त पौर्वपर्य प्रविभागं विश्वं प्रविभाग-लक्षणा: चेष्टा: कालेन कार्यते। विश्वस्य चेष्टानां प्रविभागलक्षणत्वञ्च प्रविभागानुकूलत्वात्। कार्य-कारणयोरभेदाध्यवसायेनैकत्व व्यवहारो बहुत्रा प्रमादकृतो दृश्यत इति।

(i) स्थगनोन्मज्जन क्रिया केन क्रियते ?

(ii) यन्त्र पुरुषस्योन्मेष निमेषादि कार्यं क: सम्पादयति ?

(iii) एकत्व व्यवहार: कथं भवति ?

(iv) जन्म नाशौ कयो: पर्यायौ ? 10

4. सनाद्यन्त रूपों पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए :

Write a brief note on Sanādyanta :

अथवा (Or)

संस्कृतानुवाद में षष्ठी विभक्ति के प्रयोग को उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples the use of sixth case affix in Sanskrit translation. 10